महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

कला संकाय

बी.ए. पार्ट – I

विषय – संस्कृत

परीक्षा – 2024

सेमेस्टर – 1

सेमेस्टर – 2

बी.ए. पार्ट – I विषय – संस्कृत

सत्रार्द्ध प्रणाली

Semester System

सामान्य निर्देशः

1. पाठ्यक्रम में 5 इकाई होंगीं तथा प्रश्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होंगे।
2. खण्ड 'अ' में सभी 10 प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेंगे।

   खण्ड 'ब' में से आंतरिक विकल्प सहित कुल 5 प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का होगा। प्रत्येक इकाई से कम से कम 2 प्रश्न पूछे जायेंगे।

   खण्ड 'स' में कुल 5 प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी इनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्दसीमा 500 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रत्येक इकाई से अधिकतम 1 प्रश्न पूछा जायेगा।
3. परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं। अन्य प्रश्नों के उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं।
5. संस्कृत एवं हिन्दी के लिए देवनागरी लिपि ही मान्य होगी।
6. प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रति सप्ताह 3 घण्टे व 3 क्रेडिट का होगा।
7. आंतरिक मूल्यांकन इस प्रकार प्रस्तावित है –

   (क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असानइनमेंट) एवं
   संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की मौखिक परीक्षा – इनके लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

   (ख) कक्षा सेमिनार अथवा शैक्षणिक भ्रमण – इनके लिए 5 अंक निर्धारित होंगे।

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

चार प्रश्नपत्र **न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क** **अधिकतम अंक** **पूर्णाङ्क 300**

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 88(36%) **सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 240**

आन्तरिक मूल्यांकन 44(36%) **आन्तरिक मूल्यांकन 60**

स्नातक – प्रथमषाण्मासिकसत्रम् (B.A.First Semester)

प्रथमसत्रार्द्धः (Semester - I)

पेपर कोड	प्रश्न पत्र शीर्षक	कोड	व्याख्यान	कुल क्रेडिट		अधिकतम अंक		कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णाक	
	प्राचीनसंस्कृत – साहित्यं व्याकरण¥च		L 3	3		आंतरिक मूल्यांकन 15	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 60	75	आंतरिक मूल्यांकन 11 (36%)	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22(36%)
	भारतीयसंस्कृतिः व्याकरण¥च		3	3	06	15	60	75	11(36%)	22(36%)

स्नातक – द्वितीयषाण्मासिकसत्रम् (B.A.Second Semester)

द्वितीयसत्रार्द्धः (Semester - II)

पेपर कोड	प्रश्न पत्र शीर्षक	कोड	व्याख्यान	कुल क्रेडिट		अधिकतम अंक		कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	
	प्राचीनसंस्कृत – साहित्यं व्याकरणमनुवादश्च		L 3	3	06	आंतरिक मूल्यांकन 15	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 60	75	आंतरिक मूल्यांकन 11 (36%)	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22(36%)
	पद्यसाहित्यालंकाराश्च		3	3		15	60	75	11(36%)	22(36%)

उद्देश्य :–

1. संस्कृत भाषा के लेखन, अनुवाद और उच्चारण से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
2. संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों को हृदयंगम कर विद्यार्थी जन–जन तक उन्हें पहुंचाने में सहायक होगें और एक आदर्श समाज के निर्माण में भागीदार होंगे।
3. भारतीय संस्कृति में निहित विश्व कल्याण और विश्व बन्धुत्व की भावना के प्रसार में सहायक होंगे।
4. विद्यार्थी संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता को समझ सकेंगे और समसामायिक समस्याओं के समाधान की दृष्टि विकसित होगी।

Programme Outcomes (Pos)

1. विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी और व संस्कृत श्लोकों के शुद्ध व सस्वर उच्चारण में निपुण होंगे।

2. स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगतता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति क्षमता उत्पन्न होगी।

3. विद्यार्थियों में आशावाद एवं आत्म विश्वास की अभिवृद्धि होगी।

4. नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से सुदृढ़ होकर वे श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे।

5. भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक और व्याकरण इत्यादि) से परिचित होकर विद्यार्थी संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र **स्नातक – प्रथमषाण्मासिकसत्रम् (B.A.First Semester)**

प्रथमसत्रार्द्धः (Semester - I)

समय 3 घंटे **न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 22 (36%)** **अधिकतम अंक** **पूर्णाङ्क 75**

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22 (36%) **सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 60**

आन्तरिक मूल्यांकन 11 (36%) **आन्तरिक मूल्यांकन 15**

प्रथम प्रश्नपत्रम् – प्राचीनसंस्कृतसाहित्यं व्याकरण¥च

पाठ्यक्रमः

प्रथमो वर्गः – इकाई 1. नाटक – स्वप्नवासवदत्तम् (1–3 अंकाः) नाटक से व्याख्या और सामान्य प्रश्न

द्वितीयो वर्गः –इकाई 2. नाटक – स्वप्नवासवदत्तम् (4–6 अंकाः) नाटक से व्याख्या और सामान्य प्रश्न

तृतीयो वर्गः –इकाई 3. हितोपदेश–मित्रलाभ (कथामुख से प्रारम्भ कर प्रस्तावना, मूलकथा, वृद्ध व्याघ्र, पथिक कथा, कपोत मूषक कथा, गृध –मार्जार कथा पर्यन्त) गद्य एवं पद्य का अनुवाद और सामान्य प्रश्न

चतुर्थो वर्गः–इकाई 4. **व्याकरण**–लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा–प्रकरण सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित है)

पंचमो वर्गः–इकाई 5. **व्याकरण**–लघुसिद्धान्तकौमुदी (अच्, हल् एवं विसर्गसन्धि प्रकरण)– सूत्रों की व्याख्या व प्रयोग सिद्धि अपेक्षित है।

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।

2. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
3. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखें।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
2. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – पं. तारिणीश झा
3. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – आ. जगदीश प्रसाद पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
4. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
6. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

समय 3 घंटे	**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क**	**अधिकतम अंक**	**पूर्णाङ्क 75**
	सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22 (36%)	**सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 60**	
	आन्तरिक मूल्यांकन 11 (36%)	**आन्तरिक मूल्यांकन 15**	

भारतीय संस्कृतिः व्याकरण¥च

पाठ्यक्रमः

प्रथमो वर्गः – इकाई–1. भारतीय संस्कृति – पृष्ठभूमि एवं विशेषताएँ, वर्ण और आश्रम

द्वितीय वर्गः – इकाई–2. संस्कार (विवाहों के प्रकार सहित), त्रिविध ऋण एवं पंच महायज्ञ

तृतीयो वर्गः – इकाई–3. वेदकालीन शिक्षा तथा भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान

चतुर्थो वर्गः – इकाई–4.. **शब्दरूप** – राम, हरि, गुरु, पितृ, रमा, मति, नदी, वधू, सर्व, अस्मद्, युष्मद् – उपर्युक्त शब्दों का रूप लेखन ।

पंचमो वर्गः – इकाई –5. **धातुरूप**– भू, पठ्, पच्, गम्, दृश्, सेव्, और दुह्,
इन धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग एवं लृट्–इन लकारों में रूप ज्ञान अपेक्षित है।

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

4. प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
5. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
6. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखें।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर
2. भारत की प्राचीन संस्कृति – डॉ. रामजी उपाध्याय
3. भारतीय संस्कृति – दामोदर सातवलेकर
4. भारतीय संस्कृति और कला – वाचस्पति गैराला
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी

8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली

स्नातक – द्वितीयषाण्मासिकसत्रम् (B.A.Second Semester)

द्वितीयसत्रार्द्धः (Semester - II)

समय 3 घंटे **न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क** **अधिकतम अंक** **पूर्णाङ्क 75**

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22 (36%) **सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 60**

आन्तरिक मूल्यांकन 11 (36%) **आन्तरिक मूल्यांकन 15**

प्रथम प्रश्नपत्रम् – प्राचीनसंस्कृतसाहित्यं व्याकरणमनुवादश्च

पाठ्यक्रमः

प्रथमो वर्गः – इकाई 1. वाल्मीकि कृत रामायण (बालकाण्ड, प्रथम सर्ग) अनुवाद और सामान्य प्रश्न।

द्वितीयो वर्गः –इकाई 2. हितोपदेश–मित्रलाभ (मृग– काक कथा, सन्यासी – मूषक कथा, लोभी जम्बुक कथा, गज – शृंगाल कथा, उपसंहार (चारों मित्रों की कथा) गद्य एवं पद्य का अनुवाद और सामान्य प्रश्न

तृतीयो वर्गः –इकाई 3. शब्दरूप धेनु, मातृ, वारि, जगत् , नामन् , आत्मन्, राजन् , वाच्, तद्, एतद् किम्, इदम् उपर्युक्त शब्दों का रूपलेखन। एक से शतम् तक संख्यावाची शब्द।

चतुर्थो वर्गः – इकाई–4. **धातुरूप**– एध्, अद्, हन्, रुध्, तन्, ज्ञा, चुर् – इन धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग एवं लृट्–इन लकारों में रूपज्ञान अपेक्षित है।

पंचमो वर्गः इकाई–5. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद – रचनानुवादकौमुदी (1–23 अध्यायाः)

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र इकाइयों में विभक्त हो। प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
2. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
3. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्न–पत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखे।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें–

10. वाल्मीकि रामायण – बालकाण्ड (प्रथम सर्ग) – श्यामलाल शर्मा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
11. वाल्मीकि रामायण – गीता प्रेस, गोरखपुर
12. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
13. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
17. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
18. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
19. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री
21. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. जे.सी. नारायणन्
22. अनुवाद चन्द्रिका – श्रीचक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

स्नातक – द्वितीयषाण्मासिकसत्रम् (B.A.Second Semester)

द्वितीयसत्रार्द्धः (Semester - II)

समय 3 घंटे **न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क** **अधिकतम अंक** **पूर्णाङ्क 75**

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 22 (36%) **सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 60**

आन्तरिक मूल्यांकन 11 (36%) **आन्तरिक मूल्यांकन 15**

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – पद्यसाहित्यालंकाराश्च

पाठ्यक्रमः

प्रथमो वर्गः – इकाई 1. रघुवंश द्वितीय सर्गः (1–50 श्लोकाः)
अनुवाद, व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न
द्वितीयो वर्गः –इकाई 2. रघुवंश द्वितीय सर्गः (51–समाप्तिपर्यन्तम्) अनुवाद, व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न

तृतीयो वर्गः –इकाई 3. मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय (1–64 श्लोकाः) व्याख्या और प्रश्न

चतुर्थो वर्गः – इकाई–4. मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय (65–150 श्लोकाः) व्याख्या और प्रश्न

पंचमो वर्गः इकाई–5. अलंकार – काव्यदीपिका (अष्टमशिखा) से निम्नलिखित अलंकार निर्धारित हैं–

1. अनुप्रास, 2. यमक, 3. श्लेष, 4. उपमा, 5. उत्प्रेक्षा, 6. रूपक, 7. समासोक्ति,

8. निदर्शना, 9. दृष्टान्त, 10. व्यतिरेक 11. विशेषोक्ति 12. अर्थान्तरन्यास, 13. भ्रान्तिमान्, 14. काव्यलिङ्ग,

उपर्युक्त अंलकारों के लक्षण एवम् उदाहरण।

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र इकाइयों में विभक्त हो। प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
2. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
3. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्न–पत्र को प्रमाण न मानें।

ब . परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखे।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें–

1. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, जगदीश संस्कृत–पुस्तकालय
2. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – धारादत्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास
3. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत–संस्थान
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – डॉ. कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
5. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
6. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – गीता प्रेस, गोरखपुर
7. काव्यदीपिका – श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती
8. अलंकारामोद – डॉ. महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत–संस्थान
9. अलंकारप्रकाश – डॉ. जयमन्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
15. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
16. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
17. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
18. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री
19. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. जे.सी. नारायणन्
20. कालिदास – डॉ. मिराशी
21. कालिदास – चन्द्रबली पाण्डेय